धूतपापेश्वर

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

आरती संग्रह

सुवर्ण से समृद्ध
च्यवनप्राश

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

स्वामला®

सेहत का खजाना,
दो चम्मच* रोजाना!

- शरीर घटकों का बल बढाए
- रोगप्रतिकारशक्ति सक्षम बनाए
- उत्साह एवं उर्जा को बढाए
- रोग पुनरूत्पत्ति रोकने में मदद करे
- श्वसनसंस्थान का बल बढाए
- स्वास्थ्य को बरकरार रखे

६० सालों से स्थापित उत्पाद

*मात्रा: बड़ों के लिए - १ बड़ा चम्मच (१५ ग्राम) दिन में २ बार
बच्चों के लिए (१२+ वर्ष) - १ छोटा चम्मच (५ ग्राम) दिन में २ बार
सावधान: चिकित्सक की सलाह अनुसार ले

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ

For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 I For online purchase: http://consumerayurved.com

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५०
वर्षों से अधिक
सुंदर बालोंसे ये खेल कैसा,
बाल चमके नहीं वह तेल कैसा!
धूतपापेश्वर
कांचन®
केश तेल
॥ शिरोभ्यंगार्थ ॥
स्वस्थ केश एवं उनकी जडों के लिए
आयुर्वेद उपाय
उपलब्धता : १०० मि.ली.
Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ
For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 I For online purchase: http://consumerayurved.com

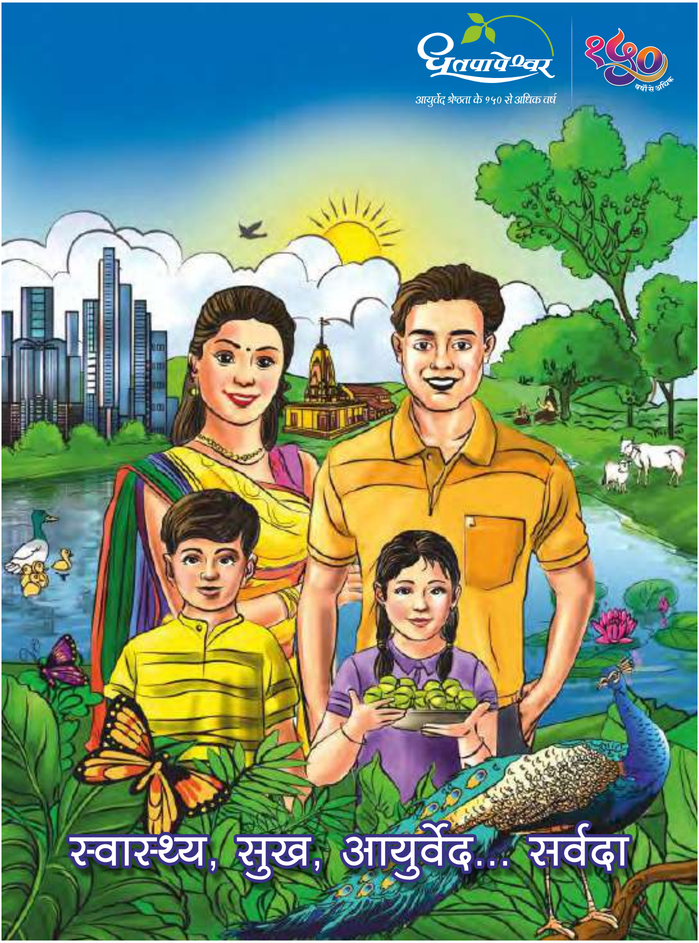

www.sdlindia.com

शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ

- १८७२ में कै. वैद्यराज कृष्णशास्त्री पुराणिक द्वारा प्रस्थापित
- सबसे प्राचीन आयुर्वेद औषधी निर्माण कंपनी
- १५० से भी अधिक वर्षों से आयुर्वेद की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान
- जी.एम्.पी. प्रमाणित उत्पादन कक्ष
- मान्यताप्राप्त रिसर्च एवं डेव्हलपमेंट सुविधा
- आय्.एस्.ओ. ९००१:२००८ प्रमाणित उत्पादन सेवाएँ
- श्री धूतपापेश्वर आयुर्वेद रिसर्च फाऊंडेशन की अत्याधुनिक प्रयोगशाला में आयुर्वेदीय एवं आधुनिक निकषों पर दवाईयों का मानकीकरण
- भस्म एवं रसौषधियों के मानकीकरण एवं सुरक्षितता प्रस्थापित करने की दिशा में यशस्वी शुरुआत

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड

शास्त्रशुद्ध, मानकीकृत, सुरक्षित एवं उत्तम गुणवत्ता के आयुर्वेद दवाईयों के निर्माता

श्री धूतपापेश्वर

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

मानक

www.sdlindia.com

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

अनुक्रमणिका

१. । आरती श्री गणेश जी की
२. । आरती श्री लक्ष्मी जी की
३. । आरती श्री अम्बा जी की
४. । आरती श्री दुर्गा जी की
५. । आरती श्री शिवजी की
६. । गीता सार
७. । आरती श्री कुंज बिहारी जी की
८. । आरती श्री कृष्ण जी की
९. । आरती श्री श्याम खाटू जी की
१०. । श्रीराम वन्दना
११. । आरती श्री रामचन्द्र जी की
१२. । आरती श्री साईबाबा की
१३. । श्री हनुमान चालीसा
१४. । आरती हनुमान जी की
१५. । ओम जय जगदीश हरे
१६. । क्षमापन स्तोत्र
१७. । कर्पूर गौरम आरती
१८. । मंत्र पुष्पांजली

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

आरती श्री गणेश जी की

जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा ।
माता जाकी पार्वती, पिता महादेवा ।।जय.।।
धूप चढ़े खील चढ़े और चढ़े मेवा ।
लड्डुअन का भोग लगे, सन्त करे सेवा।। ।।जय.।।
एक दन्त दयावन्त, चार भुजा धारी।
मस्तक सिन्दूर सोहे, मूसे की सवारी।। ।।जय.।।
अन्धन को आँखे देते, कोढ़िन को काया।
बाँझन को पुत्र देत, निर्धन को माया।। ।।जय.।।
पान चढ़े, फूल चढ़े और चढ़े मेवा।
सूरश्याम शरण आये सुफल कीजे सेवा।। ।।जय.।।
दीनन की लाजराखो शम्भु-सुत वारी ।
कामना को पूरा करो जग बलिहारी।। ।।जय.।।

लोहासव

रक्ताल्पता के कारण
उत्पन्न कमजोरी, सूजन,
बेचैनी, साँस फूलना
आदि लक्षणों में लाभदायक

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100016
Lohasava

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

आरती श्री लक्ष्मी जी की

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निशदिन सेवत, हर विष्णु धाता ।। ॐ ।।
उमा, रमा ब्रह्माणी, तुम ही जग-माता ।
सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत, नारद ऋषि गाता ।। ॐ ।।
दुर्गा रुप निरंजनि, सुख-सम्पत्ति-दाता ।
जो कोई तुमको ध्यावत, ऋध्दि-सिध्दि पाता ।। ॐ ।।
तुम पाताल-निवासिनि, तुम ही शुभ दाता ।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनि, भवनिधि की त्राता ।। ॐ ।।
जिस घर में तुम रहती, तहँ सद्गुण आता ।
सब सम्भव हो जाता, मन नहीं घबराता।। ॐ ।।
तुम बिन यज्ञ न होते, बरत न हो पाता ।
खान-पान का वैभव, सब तुमसे आता ।। ॐ ।।
शुभ-गुण-मन्दिर सुन्दर, क्षीरोदधि-जाता ।
रतन चतुर्दश तुम बिन, कोई नही पाता।। ॐ ।।
महालक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता ।
उर आनन्द समाता, पाप उतर जाता।। ॐ ।।

अभयारिष्ट

कब्ज, बवासीर, भगंदर एवं
गुदचिर (फिशर) जैसे
विकारों में लाभकारी

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100022
Abhayarishta

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

बलारिष्ट

मांसपेशी एवं नाडीसंस्थान को बल देनेवाला अरिष्ट

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100028
Balarishta

महारास्नादि काढा

जकडाहट, दर्द आदि जोडों की तकलीफों पर असरदार उपाय

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100010
Maharasnadi Kadha

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

आरती श्री अम्बा जी की

जय अम्बे गौरी, मैया जय श्यामा गौरी ।
तुमको निशिदिन ध्यावत, हरी ब्रह्मा शिवजी ।।जय अम्बे।।
मांग सिन्दूर विराजत, टीको, मृगमद को ।
उज्जवल से दोउ नयना, चन्द्र वदन नीको ।।जय अम्बे।।
कनक समान कलेवर रक्ताम्बर राजै ।
रक्त पुष्प गल माला, कण्ठन पर साजै ।।जय अम्बे।।
केहरि वाहन राजत, खड्ग खप्पर धारी ।
सुर नर मुनि जन सेवत, तिनके दुख हारी ।।जय अम्बे।।
कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती ।
कोटिक चन्द्र दिवाकर, सम राजत ज्योती ।।जय अम्बे।।
शुम्भ-निशुम्भ विदारे, महिषासुर घाती ।
धूम्रविलोचन नयना, निशिदिन मदमाती ।।जय अम्बे।।
चण्ड-मुण्ड संहारे, शोणित बीज हरे ।
मुध कैटभ दोउ मारे, सुर-भयहीन करे ।।जय अम्बे।।
ब्रहाणी रुद्राणी, तुम कमला रानी ।
आगम-निगम बखानी, तुम शिव पटरानी ।।जय अम्बे।।
चौसठ योगिनि गावत, नृत्य करत भैरों ।
बाजत ताल मृदंग, और बाजत डमरु ।।जय अम्बे।।
तुम ही जग की माता, तुम ही हो भरता ।
भक्तन की दुख हरता, सुख सम्पति करता ।।जय अम्बे।।
भुजा चार अति शोभित, वर-मुद्रा धारी ।
मनवांछित फल पावत, सेवत नर-नारी ।।जय अम्बे।।
कंचन थाल विराज, अगर कपूर बाती ।
श्री मालकेतु में राजत, कोटि रतन ज्योति ।।जय अम्बे।।
माँ अम्बे जी की आरती, जो कोई नर गावै।
कहत शिवानन्द सुख-सम्पति पावे ।।जय अम्बे।।

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५०
वर्षों से अधिक

आरती श्री दुर्गा जी की

अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली ।
तेरे ही गुण गाऐं भारती ।
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ।।
तेरे भक्त जनों पर माता भीर पड़ी है भारी ।
दानव दल पर टूट पड़ो मां करके सिंह सवारी ।।
सौ सौ सिंहों से बलशाली, है अष्ट भुजाओं वाली,
दुष्टों को तू ही संहारती । ओ मैया ......
माँ-बेटे का है इस जग में बड़ा की निर्मल नाता ।
पूत-कपूत सुने हैं पर ना माता सुनी कुमाता ।।
सब पे करुणा दरसाने वाली, अमृत बरसाने वाली,
दुखियो के दुखड़े निवारती । ओ मैया ......
नहीं मागंते धन और दौलत, न चांदी न सोना ।
हम तो मांगे तेरे मन में छोटा सा कोना ।।
सबकी बिगड़ी बनाने वाली, लाज बचाने वाली,
सतियों के सत को संवारती । ओ मैया ......
ओ मैया हम सब उतारें तेरी आरती ।।

त्रिफला चूर्ण
मलविबंध एवं संबंधित
विकारों में उपयुक्त

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030015
Triphala Choorna

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

आरती श्री शिवजी की

जय शिव ओंकार हर शिव ओंकारा,
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्ध्दांगी धारा ।।ॐ हर हर.।।
एकानन चतुरानन पंचानन राजे,
हंसासन गरुड़ासन वृषवाहन साजे ।।ॐ हर हर.।।
दो भुज चार चतुर्भुज दश भुज ते सोहे,
तीनों रुप निरखता त्रिभुवन जन मोहे ।।ॐ हर हर.।।
अक्षमाला बनमाला रुण्डमाला धारी
त्रिपुरारि कंसारी करमाला धारी ।।ॐ हर हर.।।
श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे,
सनकादिक ब्रह्मादिक भूतादिक संगे ।।ॐ हर हर.।।
कर मध्ये कमण्डलु चक्र त्रिशूल धर्ता,
जगकरता जगहरता जगपालन करता ।।ॐ हर हर.।।
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका,
प्रणवाक्षर के मध्ये यह तीनो एका ।।ॐ हर हर.।।
त्रिगुण शिव की आरती जो कोई नर गावे,
कहत शिवनन्द स्वामी मनवांछित फल पावे ।।ॐ हर हर.।।

कुमारी आसव नं.१

खाँसी, साँस की बिमारी,
यकृत तथा पचनसंस्था संबंधित
विकारों में उपयुक्त

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100007
Kumari Asava No.1

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

दशमूलारिष्ट

कमरदर्द,
स्पाँडीलायटिस
जैसे
वातरोगोंपर
उत्तम उपाय

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100005
Dashamoolarishta

अशोकारिष्ट

स्त्री विकारों में
सहाय्यकारी
कल्प

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100002
Ashokarishta

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

गीता सार

क्यों व्यर्थ की चिन्ता करते हो? किससे डरते हो? कौन तुम्हें मार सकता है? आत्मा न पैदा होती है, न मरती है।

जो हुआ, वह अच्छा हुआ, जो हो रहा है, वह अच्छा हो रहा है, जो होगा, वह भी अच्छा ही होगा। तुम भूत का पश्चाताप न करो। भविष्य की चिन्ता न करो। वर्तमान चल रहा है।

तुम्हारा क्या गया, जो तुम रोते हो ? तुम क्या लाये थे जो तुमने खो दिया ? तुमने क्या पैदा किया था, जो नाश हो गया ? न तुम कुछ लेकर आए, जो लिया, यहीं से लिया। जो दिया इसी को दिया। खाली हाथ आए, और खाली हाथ चले। जो आज तुम्हारा है, कल और किसी का था। परसों किसी और का होगा। तुम इसे अपना समझ कर मग्न हो रहे हो। बस यही प्रसन्नता तुम्हारे दु:खों का कारण है।

परिवर्तन संसार का नियम है। जिसे तुम मृत्यु समझते हो, वही तो जीवन है। एक क्षण में तुम करोड़ों के स्वामी बन जाते हो, दूसरे ही क्षण में तुम दरिद्र हो जाते हो। मेरा-तेरा, छोटा-बड़ा, अपना-पराया, मन से मिटा दो, फिर सब तुम्हारा है, तुम सबके हो।

न यह शरीर तुम्हारा है, न तुम शरीर के हो। यह अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश से बना है और इसी में मिल जायेगा। परन्तु आत्मा स्थिर है फिर तुम क्या हो ?

तुम अपने आपको भगवान को अर्पित करो। यही सबसे उत्तम सहारा है। जो इसके सहारे को जानता है वह भय, चिन्ता, शोक से सर्वदा मुक्त है।

जो कुछ भी तू करता है, उसे भगवान को अर्पण करता चल। ऐसा करने से सदा जीवन-मुक्त का आनन्द अनुभव करेगा।

अविपत्तिकर चूर्ण

अम्लपित्त एवं बद्धकोष्ठ में
उपयुक्त मृदु रेचक कल्प

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030005
Avipattikar Choorna

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

आरती श्री कुंजबिहारी जी की

आरती कुंजबिहारी । श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।। (टेक)
गले में बैजंतीमाला, बजावै मुरलि मधुर बाला ।
श्रवन में कुण्डल झलकाला, नंद के आनन्द नन्दलाला
।।श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।।
गगन सम अंग कांति काली, राधिका चमक रही आली,
लतन में ठाढ़े बनमाली, भ्रमर-सी अलक, कस्तूरी-तिलक,
चन्द्र-सी झलक-ललित छवि स्यामा प्यारी थी ।
।।श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।।
कनकमय मोर-मुकुट बिलसै, देवता दरसनकों तरसै,
गगन सों सुमन रासि बरसै, बजे मुरचंग, मधुर मिरदंग,
ग्वालिनी संग, अतुल रति गोपकुमारीकी ।
।।श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।।
जहाँ ते प्रगट भई गंगा, सकल-मल-हारिणि श्रीगंगा,
स्मरन ते होत मोह-भंगा, बसी सिव सीस, जटाके बीच,
हरै अघ कीच, चरन छवि श्री बनवारी की ।
।।श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।।
चमकती उज्जवल तट रेनू, बज रही बृन्दाबन बेनू,
चहूँ दिसि गोपि ग्वाल धेनू, हँसत मृदु मंद, चाँदनी चंद,
कटत भव-फंद, टेर सुनु दीन दुखारी की।
।।श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।।
आरती कुंजबिहारी की । श्रीगिरिधर कृष्णमुरारी की ।।

सितोपलादि चूर्ण
सर्दी, खाँसी, जुकाम,
साँस लेने में तकलीफ होना
आदि में सहायक

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030014
Sitopaladi Choorna

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

आरती श्री कृष्ण जी की

जय श्री कृष्ण हरे, प्रभू जय जय गिरधारी ।
दानव-दल बलिहारी, गो-द्विज हित कारी ।।
जय गोविन्द दयानिधि, गोवर्धन धारी ।
वंशीधर बनवारी, ब्रज जन प्रियकारी ।। जय श्री।।
गणिका गोध अजामिल गजपति भयहारी ।
आरत-आरति हारी, जय मंगल कारी ।।जय श्री।।
गोपालक गोपेश्वर, द्रोपदी दुखदारी ।
शबर-सुता सुखकारी, गौतम-तिय तारी ।।जय श्री।।
जन प्रहलाद प्रमोदक, नरहरि तनु धारी ।
जन मन रंजनकारी, दिति-सुत संहारी ।।जय श्री।।
टिट्टिभ-सुत संरक्षक, रक्षक मंझारी
पाण्डु सुवन शुभकरी, कौरव मद हारी ।।जय श्री।।
मन्मथ-मन्मथ मोहन, मुरली-रव कारी।
वृन्दाविपिन बिहारी, यमुना तट चारी ।।जय श्री।।
अघ-बक-बकी उधारक, तृणावर्त तारी ।
बिधि-सुरपति मदहारी, कस मुक्तिकारी ।।जय श्री।।
शेष, महेश, सरस्वती, गुन गावत हारी।
कल कीरति विस्तारी, भक्त भीति हारी ।।जय श्री।।
'नारायण' शरणागत, अति अघ अघहारी ।
पद-रज पावनकारी, चाहत चितहारी ।।जय श्री।।

कनकासव
फुफ्फुस विकार और
खाँसी पर गुणकारी

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100052
Kanakasava

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

अब प्रोब्लेम्स को जाईये भूल
गर्मी में रहे हमेशा COOL!

शीतसुधा®

गर्मी से राहत एवं ठंडक

प्राकृतिक खस से निर्मित

उपलब्धता: ४५० मि. ली.

गुलकंद
Gulkand

प्रवाल एवं मौक्तिक युक्त

उष्णता एवं दाह शामक

उपलब्धता: २०० ग्राम, ४०० ग्राम, ९०० ग्राम

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ

For Health & Trade Enquiries Tollfree: **1800 22 9874** I For online purchase: http://consumerayurved.com

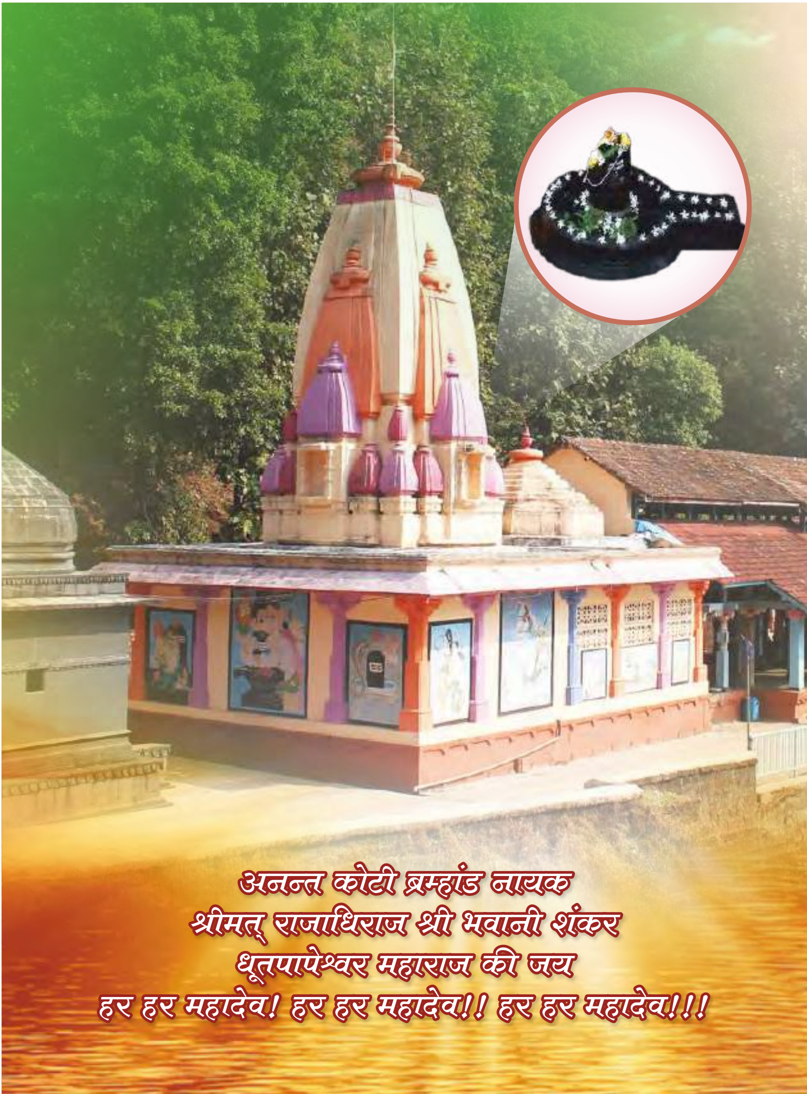
अनन्त कोटी ब्रम्हांड नायक
श्रीमत् राजाधिराज श्री भवानी शंकर
धूतपापेश्वर महाराज की जय
हर हर महादेव! हर हर महादेव!! हर हर महादेव!!!

शुद्धस्फटिकसंकाशं त्रिनेत्रं पञ्चवक्त्रकम्।
गंगाधरं दशभुजं सर्वाभरणभूषितम्।।
नीलग्रीवं शशांकाकं नागयज्ञोपवीतिनम्।
व्याघ्रचर्मोत्तरीयं च वरेण्यमभयप्रदम्।।
कमण्डल्वक्षसूत्राभ्यामन्वितं शूलपाणिनम्।
ज्वलन्तं पिंगलजटामुद्योतकारिणम्।
अमृतेनाप्लुतं हृष्टमुमादेहार्धधारिणम्।
दिव्यसिंहासनासीनं दिव्याभोगसमन्वितम्।।
दिग्देवतासमायुक्तं सुरासुरनमस्कृतम्।
नित्यं च शाश्वतं शुद्धं ध्रुवमक्षरमव्ययम्।।
सर्वव्यापिनमीशानं रुद्रं वै विश्वरुपिणम्।
एवं ध्यात्वा द्विजः सम्यक्ततो यजनमारभेत्।।

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

आरती श्री श्याम खाटू जी की

ॐ जय श्री श्याम हरे, प्रभु जय श्री श्याम हरे ।

निज भक्तन के तुमने पूरण काम करे ॥
हरि ॐ जय श्री श्याम हरे..
गल पुष्पों की माला, सिर पर मुकुट धरे ।
पीत बसन पीताम्बर, कुण्डल कर्ण पड़े ॥
हरि ॐ जय श्री श्याम हरे..
रत्नसिंहासन राजत, सेवक भक्त खड़े ।
खेवत धूप अग्नि पर, दीपक ज्योति जरे ॥
हरि ॐ जय श्री श्याम हरे..
मोदक खीर चूरमा, सुवर्ण थाल भरे।
सेवक भोग लगावत, सिर पर चंवर ढुरे ॥
हरि ॐ जय श्री श्याम हरे..
झांझ, नगारा और घड़ियावल, शंख मृदंग घुरे ।
भक्त आरती गावें, जय जयकार करें ॥
हरि ॐ जय श्री श्याम हरे..
जो धयावे फल पावे, सब दु:ख से उबरे ।
सेवक जब निज मुख से, श्री श्याम श्याम उचरे ॥
हरि ॐ जय श्री श्याम हरे..
श्री श्याम बिहारी जी की आरती, जो कोई नर गावे ।
गावल दासमनोहर, मनवांछित फल पावे ॥

अर्जुनारिष्ट

हृदय एवं फुफ्फुस के लिए
बल्य शास्त्रोक्त कल्प

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100001
Arjunarishta

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

श्रीराम वन्दना

श्रीरामचन्द्र रघुपुङ्ग व राजवर्य
राजेन्द्र राम रघुनायक राघवेश ।
राजधिराज रघुनन्दन रामचन्द्र
दासोऽहमद्य भवत: शरणागतोऽस्मि ।।

आरती श्री रामचन्द्र जी की

श्री रामचन्द्र कृपालु भजु मन, हरण भव भय दारुणम् ।
नवकंज लोचन, कंज-मुख कर-कंज पद-कंजारुणम् ।।१।।
कन्दर्प अगणित अमित छवि, नवनीत-नीरद-सुन्दरम् ।
पटपीत मानहु तड़ित रुचि सुचि नौमी जनक सुता-वरम् ।।२।।
भजु दीनबन्धु दिनेश दानव-दैत्यवंश-निकन्दनम् ।
रघुनंद आनंदकंद कौशलचन्द्र दशरथ- नन्दनम् ।।३।।
सिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अंग विभूषणम् ।
आजानुभुज शर-चाप-धर संग्राम-जित-खर-दूषणम् ।।४।।
इति वदति तुलसीदास शंकर-शेष-मुनि-रंजनम् ।
मम हृदय कंज निवास कुरु कामादि-खल-दल-गंजनम् ।।५।।

जीरकाद्यरिष्ट
भूख बढाएँ, पाचनशक्ति सुधारे,
खाने के प्रति रुचि बढाएँ,
अजीर्ण के कारण उत्पन्न लक्षण जैसे
की पेट फूलना, पेट दर्द एवं पेट भारी
होना आदि में असरदार

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100055
Jeerakadyarishta

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

आरती श्री साईबाबा की

आरती साईबाबा।
सौख्यदातार जीवा। चरणरजातली।
द्यावा दासां विसांवा, भक्तां विसांवा ॥ आ.ध्रु. ॥
जालुनियां अनंग। स्वस्वरुप राहे दंग।
मुमुक्षजनां दावी। निज डोलां श्रीरंग आ ॥१॥
जया मनीं जैसा भाव। तयातैसां अनुभव।
दाविसी दयाघना। ऐसी तुझी ही माव। आ॥२॥
तुमचें नाम ध्यातां हरे संसृतिव्यथा।
अगाध तव करणी। मार्ग दाविसी अनाथा। ॥आ॥३॥
अलियुगीं अवतार। सगुणब्रह्म साचार।
अवतीर्ण झालासे। स्वामी दत्त दिगंबर। ॥आ॥४॥
आठां दिवसां गुरुवारीं। भक्त करिती वारी।
प्रभुपद पहावया। भवभय निवारी। ॥आ॥५॥
माझा निजद्रव्यठेवा। तव चरणरजसेवा मागणे
हेंचि आतां। तुम्हां देवाधिदेवा। ॥आ॥६॥
इच्छित दीन चातक। निर्मल तोय निजसूख।
पाजावें माधवा या। साभाल आपुली भाक। ॥आ॥७॥
ॐ साई श्री साई जय जय साई।
ॐ साई श्री साई जय जय साई।

हिंग्वष्टक चूर्ण

भूख में कमी, पेट फूलना,
पेट में वायु के कारण दर्द
रहना, बार बार डकार आना
जैसे लक्षणों में उपयुक्त

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030009
Hingwashtak Choorna

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

श्री हनुमान चालीसा

।।दोहा।।

श्री गुरु चरन सरोज रज, निज मनु मुकुरु सुधरि ।
बरनउं रघुबर बिमल जसु, जो दायक फल चारि ।।
बुध्दिहीन तनु जानिके, सुमिरों पवन-कुमार ।
बल बुध्दि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार ।।

।।चौपाई।।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर,
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर ।।१।।
रामदूत अतूलित बल धामा,
अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा ।।२।।
महावीर बिक्रम बजरंगी,
कुमति निवार सुमति के संगी ।।३।।
कंचन बरन बिराज सुबेसा,
कानन कुण्डल कुंचित केसा ।।४।।
हाथ बज्र आरु ध्वजा बिराजै,
काँधे मूंज जनेउ साजै ।।५।।
शंकर सुवन केसरी नन्दन,
तेज प्रजाप महा जग वन्दन ।।६।।
विद्यावान गुनी अति चातुर,
राम काज करिबे को आतुर ।।७।।
प्रभु चरित्र सुनिबे का रसिया,
राम लखन सीता मन बसिया ।।८।।
सूक्ष्म रुप धरि सियहिं दिखावा,
विकट रुप धरि लंक जरावा ।।९।।
भीम रुप धरि असुर संहारे,
रामचन्द्र के काज संवारे ।।१०।।

भास्कर लवण चूर्ण

बवासीर, भूख की कमी,
पेट भारी रहना आदि में लाभ दे

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030023
Bhaskar Lavana Choorna

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

लाय सजीवन लखन जियाये,
श्री रघुबीर हरषि उर लाये ॥११॥
रघुपति कीन्ही बहुत बड़ाई,
तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई ॥१२॥
सहस बदन तुम्हरो जस गावैं,
अस कहि श्रीपति कंठ लगावैं ॥१३॥
सनकादिक ब्रह्मीदि मुनीसा,
नारद सारद सहित अहीसा ॥१४॥
जम कुबेर दिगपाल जहाँ ते,
कबि कोबिद कहि सके कहाँ ते ॥१५॥
तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा,
राम मिलाय राज पद दीन्हा ॥१६॥
तुम्हरो मन्त्र विभीषन माना,
लंकेश्वर भये सब जग जान ॥१७॥
जुग सहस्त्र जोजन पर भानू,
लील्यो ताहि मधुर फल जानू ॥१८॥

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं,
जलधि लांघि गए अचरज नाहीं ॥१९॥
दुर्गम काज जगत के जेते,
सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते ॥२०॥
राम दुआरे तुम रखवारे,
होत न आज्ञा बिनु पैसारे ॥२१॥
सब सुख लहै तुम्हरी सरना,
तुम रक्षक काहू को डर ना ॥२२॥
आपन तेज सम्हारो आपै,
तीनों लोक हाँक मे काँपे ॥२३॥
भूत पिसाच निकट नहिं आवै,
महावीर जब नाम सुनावै ॥२४॥
नासे रोग हरै सब पीरा,
जपत निरंतर हनुमत बीरा ॥२५॥
संकट ते हनुमान छुड़ावै,
मन क्रम बचन ध्यान जो लावै ॥२६॥
सब पर राम तपस्वी राजा,
तिन के काज सकल तुम साजा ॥२७॥

महामंजिष्ठादि काढा
उत्तम रक्तशुद्धिकर, त्वचा का
वर्ण एवं कांति सुधारें तथा मुँहासे,
पिडका, विविध त्वचाविकार
में उपयुक्त

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100009
Mahamanjishthadi Kadha

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

और मनोरथ जो कोई लावै,
सोई अमित जीवन फल पावै ॥२८॥
चारों जुग परताप तुम्हारा,
है परसिध्द जगत उजियारा ॥२९॥
साधु सन्त के तुम रखवारे,
असुर निकंदन राम दुलारे ॥३०॥
अष्ट सिध्द नौ निधि के दाता,
अस बर दीन जानकी माता ॥३१॥
राम रसायन तुम्हरे पासा,
सदा रहो रघुपति के दासा ॥३२॥
तुम्हरे भजन राम को पावै,
जनम जनम के दु:ख बिसरावै ॥३३॥
अन्त काल रघुबर पुर जाई,
जहाँ जन्म हरि-भक्त कहाई ॥३४॥
और देवता चित्त न धरई,
हनुमत सेई सर्व सुख करई ॥३५॥
संकट कटै मिटे सब पीरा,
जो सुमिरै हनुमत बलबीरा ॥३६॥

जय जय हनुमान गोसाई,
कृपा करहु गुरुदेव की नाई ॥३७॥
जो सत बार पाठ कर कोई,
छुटहिं बंदि महासुख होई ॥३८॥
जो यह पढ़ै हनुमान चालीसा,
होय सिध्दि साखी गौरीसा ॥३९॥
तुलसी दास सदा हरि चेरा,
कीजै नाथ हृदय महँ डेरा ॥४०॥

॥दोहा ॥
पवनतनय संकट हरन,
मंगल मूरति रुप ।
राम लखन सीता सहित,
हृदय बसहु सुर भूप ॥

सारस्वतारिष्ट
बच्चों से लेकर बूढों तक सभी के
लिए उत्तम बुद्धि एवं स्मृतिवर्धक,
मानसिक तनाव, निद्राल्पता,
एकाग्रता में कमी, चिडचिडापन
आदि में लाभकर

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100051
Saraswatarishta
Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

आरती हनुमान जी की

आरती कीजै हनुमान लला की ।
दुष्ट दलन रघुनाथ कला की ।।
जाके बल से गिरिवर काँपे । रोग दोष जाके निकट न झाँके ।।
अंजनि पूत्र महा बलदाई । सन्तन के प्रभु सदा सहाई ।।
दे बीरा रघुनाथ पठाये । लंका जारि सीय सुधि लाये ।।
लंका सो कोट समुद्र सी खाई । जात पवनसुत बार न लाई ।।
लंका जारि असुर संहारे । सीयारामजी के काज सँवारे ।।
लक्ष्मण मूर्छित पड़े सकारे । लाय सँजीवन प्रान उबारे ।।
पैठि पताल तोरि जम-कारे । अहिरावन की भुजा उखारे ।।
बायें भुजा असुरदल मारे । दाहिने भुजा संतजन तारे ।।
सुर नर मुनि आरती उतारें । जय जय जय हनुमान उचारें ।।
कंचन थार कपूर लौ छाई । आरती करत अंजना माई ।।
जो हनुमान जी की आरती गावै । बसि बैकुण्ठ परम पद पावै ।।

स्वादिष्ट विरेचन चूर्ण
स्वादपूर्ण एवं अत्यंत रुचिकर,
बद्धकोष्ठता एवं संबंधित सिरदर्द,
पेट दर्द आदि में उपयुक्त,
बच्चों से लेकर बूढों तक सभी
के लिए बद्धकोष्ठता में उपयुक्त

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030062
Swadishta Virechan Choorna

अश्वगंधारिष्ट

धूतपापेश्वर

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

शारीरिक तथा मानसिक शक्तिवर्धक, स्फूर्तिदायक

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100003
Ashvagandharishta

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

धातुपौष्टिक चूर्ण

उत्तम सप्तधातुपोषक एवं बल्य कल्प

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 030021
Dhatupoushtika Choorna

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

ओउम् जय जगदीश हरे

ॐ जय जगदीश हरे, स्वामी जय जगदीश हरे,
भक्त जनन के संकट, क्षण में दूर करे ।।ॐ।।
जो ध्यावे फल पावे, दु:ख बिनसे मन का ।।प्रभु।।
सुख-सम्पति घर आवे, कष्ट मिटे तन का ।।ॐ।।
मात-पिता तुम मेरे, शरण गहूँ किसकी ।।प्रभु।।
तुम बिन और न दूजा, आस करुँ जिसकी ।।ॐ।।
तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी ।।प्रभु।।
पारब्रह्या परमेश्वर, तुम पालन कर्ता ।।ॐ।।
तुम करुणा के सागर, तुम सबके स्वामी ।।प्रभु।।
मैं मूरख खल कामी, कृपा करो भर्ता ।।ॐ।।
तुम हो एक अगोचर, सबके प्राणपति ।।प्रभु।।
किस विधि मिलूँ दयामय, तुमको मैं कुमति ।।ॐ।।
दीन बन्धु दु:ख हरता, तुम रक्षक मेरे, ।।प्रभु।।
अपने हाथ उठाओ, द्वार पड़ा तेरे ।।ॐ।।
विषय विकार मिटाओ, पाप हरो देवा, ।।प्रभु।।
श्रध्दा भक्ति बढ़ाओ, सन्तन की सेवा ।।ॐ।।
तन, मन, धन सब कुछ है तेरा, ।।प्रभु।।
तेरा तुझको अर्पण, क्या लागे मेरा ।।ॐ।।

कुटजारिष्ट
पचन सुधारे, पतले दस्त कम करें,
पेट दर्द आदि
लक्षणों में भी असरदार

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100008
Kutajarishta

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

क्षमापन स्तोत्र

आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।
पूंजा चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वरम् ।।
मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर ।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्ण तदस्तु में ।।
जपच्छिद्रं जपश्च्छिद्रं यच्छिद्रं शांतिकर्मणि ।
सर्वभवतु मेंऽछिद्रं ब्राह्मणानां प्रसादत: ।।
अपराध सहस्त्राणि क्रियन्तेंऽहर्निशं मया ।
दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व परमेश्वर ।
ज्ञानतऽज्ञानतो वापि यन्न्यूनमधिकं कृतम् ।
तत्सर्वं क्षम्यतां देव प्रसीद परमेश्वर ।।
कर्मणा मनसा वाचा तव पूंजा मया कृता ।।
तेन तुष्टिं समासाद्य प्रसीद परमेश्वर ।।

प्रत्येक आरती के बाद इस स्तोत्र का पाठ करें ।
देवियों की आरती के बाद इस स्तोत्र का पाठ करते समय परमेश्वर शब्द के स्थान पर 'परमेश्वरी' शब्द का उच्चारण करें ।

पुनर्नवासव

शरीर पर सूजन,
यकृत् विकार आदि
विकारोंपर गुणकारी

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100018
Punarnavasava

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

कर्पूर गौरम आरती

कर्पूरगौरं करूणावतारं, संसारसारं भुजगेन्द्रहारम् ।
सदावसन्तं हृदयारविन्दे, भवं भवानीसहितं नमामि ।।

मङ्गलं भगवान् विष्णुः, मङ्गलं गरूडध्वजः।
मङ्गलं पुन्डरीकाक्षः ।, मंगलायतनो हरिः।।

सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये, शिवे सर्वार्थसाधिके ।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि, नारायणि नमोऽस्तु ते ।।

त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बंधुश्च सखा त्वमेव ।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देवदेव ।।

कायेन वाचा मनसेंद्रियैर्वा, बुद्ध्यात्मना वा प्रकृतिस्वभावात् ।
करोमि यद्यत् सकलं परस्मै, नारायणायेति समर्पयामि ।।

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेव ।
जिव्हे पिबस्व अमृतं एत देव, गोविन्द दामोदर माधवेती ।।

अमृतारिष्ट

गिलोय इस मुख्य घटक से तैयार,
गठिया वात, आमवात जैसे
विकारों में उपयुक्त

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100023
Amrutarishta

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५० वर्षों से अधिक

॥ मंत्रपुष्पांजली ॥

ॐ । यज्ञेन यज्ञमयजन्त देवास्तानि धर्माणि प्रथमान्यासन् ।

ते ह नाकं महिमान : सचंत यत्र पूर्वे साध्याः सन्ति देवाः ।

ॐ राजाधिराजाय प्रसह्यसाहिने नमो वयं वैश्रवणाय कुर्महे ।

स मे कामान् कामकामाय मह्यं कामश्वरो वै श्रवणो ददातु ।

कुबेराय वैश्रवणाय महाराजाय नमः । ॐ स्वस्ति । साम्राज्यं, भौज्यं,

स्वाराज्यं, वैराज्यं, पारमेष्ठ्यं, राज्यं, महाराज्यमाधिपत्यमयं ।

समन्तपर्या ईस्यात् सार्वभौमः सार्वायुष आंतादापरार्धात् ।

पृथिव्यै समुद्रपर्यंताया एकराळिति । तदप्येषश्लोकोऽभिगीतो

मरूतः परिवेष्टारो मरूत्तस्यावसन् गृहे।

आविक्षितस्य कामप्रेर्विश्वेदेवाः सभासद इति।

महासुदर्शन काढा

वातावरण में बदलाव से
उत्पन्न सर्दी, खाँसी,
सिरदर्द आदि में उपयुक्त

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 100054
Mahasudarshan Kadha

धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५०
वर्षों से अधिक
च्यवनप्राश
अष्टवर्ग
असली
शास्त्रशुद्ध
च्यवनप्राश
सेहत का स्वाद
।। चूस्ती फूर्ती तथा स्वास्थ्यवर्धक योग ।।
चुनिंदा ताजे आँवलें
उत्तम गुणवत्ता के वनस्पति द्रव्य
गाय का शुद्ध घी
शुद्ध शहद
Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 010001
Chyavanprash
उपलब्धता- ५०० ग्राम, १ किलो

आयुर्वेद पोषक योग
धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष
१५०
वर्षों से अधिक
Shatavari Kalpa
नॅचरल इलायची
टेस्टी चॉकोलेट
शतावरी कल्प™
ग्रॅन्युल्स
माता एवं शिशु के लिए
स्वास्थ्यवर्धक पोषक योग!
Authentic · Standardised · Safe · Efficacious
श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ
For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 I For online purchase: http://consumerayurved.com

शास्त्रशुद्ध, मानकीकृत, सुरक्षित एवं उत्तम गुणवत्ता के प्रायमरी हर्ब

धूतपापेश्वर

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

100% natural

प्रायमरी हर्ब टॅबलेटस्

श्री धूतपापेश्वर

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

मानक

प्रायमरी हर्ब टॅबलेटस् अब consumerayurved.com पर भी उपलब्ध है

No artificial colours | Not tested on animals | No artificial flavours | No artificial sweetner | No preservatives | Sustainable Sourcing | Do not refrigerate | Store in 15° to 25°C | Authorized for sale in India

E-mail : healthcare@sdlindia.com www.sdlindia.com

श्री धूतपापेश्वर
आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

निशामलकी

मेहेषु धात्री निशे।
अष्टांगहृदय - ६वी सदी

- **रक्त में शर्करा के बढे हुए प्रमाण को नियंत्रित करने वाले निर्धारित उपचारों के साथ सहयोगी औषधि**
- **शरीर की उर्जा एवं स्वास्थ्य को बढाए**
- **पाचन क्रिया को सुधारने में सहायता करे**
- **रसायन होने से, बढती आयु से जुडी अवयव हानी को रोकने में सहायता करे**
- **त्वचा को स्वस्थ रखे**
- **रोगप्रतिकारशक्ति को बढाने में मदद करे**
- **जीवन का स्तर बेहतर बनाए रखे**
- **मूत्र प्रवृत्ति के वेगों को कम करने में सहायता करे**

प्रस्तुत है पहली बार लिक्विड रूप में

No Artificial Colours | No Artificial Flavours | No Added Sugar and Artificial Sweetner

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

उपलब्धता: ६० टैबलेट्स एवं ४५० मि.ली.

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड शास्त्रोक्त, मानकीकृत, सुरक्षित आयुर्वेद औषधियाँ

For Health & Trade Enquiries Tollfree: 1800 22 9874 | For online purchase: http://consumerayurved.com

स्वास्थ्य का त्रिशूल !

द्राक्षासव, अश्वगंधारिष्ट एवं सारस्वतारिष्ट के महत्वपूर्ण घटक द्रव्यों से बना

धूतपापेश्वर

आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

१५० वर्षों से अधिक

द्राक्षोविन®

स्पेशल

सुप्रीम हेल्थ टॉनिक

३३० मि. ली. / ७०० मि. ली.
पैक में उपलब्ध

भूख बढ़ाए, पचन सुधारें	शक्ति एवं स्फूर्ती बढ़ाऐ	दिमाग को तेज रखे

१० से १५ वर्ष: १ से २ चम्मच (५ से १० मि. लि.)
१५ साल के उपर: ३ से ४ चम्मच (१५ से २० मि. लि.)

दिन में २ बार भोजन के बाद
समप्रमाण गुनगूने पानी के साथ

Authentic · Standardised · Safe · Efficacious

Shree Dhootapapeshwar Standards
SDS Monograph No. 070005
Drakshovin

AS/VS/S/0922

श्री धूतपापेश्वर लिमिटेड

१३५, नानुभाई देसाई रोड, खेतवाडी, मुंबई –४०० ००४.
फोन नं.:+९१–२२–६२३४ ६३००, फॅक्स: +९१–२२–२३८८ १३०८

Toll Free : 1-800-2 AYUSH
(Dial AYUSH as in 29874
working days 9:00-17:00 hrs)

E-mail : healthcare@sdlindia.com • www.sdlindia.com